असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई कर अपराधों पर लगाएं अंकुश : सियाज

अवैध शराब, नशा कारोबारियों और जुआं-सट्टा संचालकों पर चलेगा विशेष अभियान

नवभारत न्यूज

सिंगरौली, 4 जून। जिले में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था की मजबूती और आमजन को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज गुरुवार को एसपी कार्यालय स्थित रुस्तमजी कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता एसपी सियाज केएम ने की। इस दौरान एएसपी सर्वप्रिय सिन्हा, सीएसपी उमेश प्रजापति, एसडीओपी सिंगरौली गौरव पाण्डेय, एसडीओपी चितरंगी राहुल सैयाम सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में एसपी ने जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान भारतीय न्याय संहिता माइनर एक्ट एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयों की त्रिवर्षीय तुलनात्मक समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम के लिए असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जाए तथा माइनर एक्ट और प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अधिक से अधिक प्रकरण दर्ज किए जाएं। मारपीट एवं विवाद संबंधी मामलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 107/116(3) के तहत बाउंड ओवर की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसपी ने कहा कि छोटी-छोटी घटनाओं में समय रहते वैधानिक कार्रवाई करने से गंभीर अपराधों की पुनरावृत्ति को रोका जा सकता है। बैठक में अवैध शराब के परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार अभियान चलाने तथा 50 लीटर से अधिक शराब बरामद होने वाले मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वहीं एनडीपीएस एक्ट के मामलों की समीक्षा करते हुए नशा कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, आवश्यकतानुसार पीआईटी-एनडीपीएस और एनएसए के तहत प्रस्ताव भेजने तथा नशामुक्ति अभियान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। जुआ-सट्टा, अवैध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर भी विशेष निगरानी रखने को कहा गया।

सड़क दुर्घटनाएं रोकने हेलमेट पर दें जोर

पुलिस अधीक्षक ने बीट प्रभारियों को अपने क्षेत्र के अपराधियों, भूमि विवादों, ऋण लेन-देन से जुड़े मामलों और अन्य संवेदनशील विषयों की अद्यतन जानकारी रखने के निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन कराने, नियमित वाहन चेकिंग और आमजन को जागरूक करने पर बल दिया गया। जनसुनवाई में बढ़ रही शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने थाना एवं अनुभाग स्तर पर शिकायतों का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डायल 112 सेवाओं, सीसीटीएनएस, आईसीजेएस, ई-साक्ष्य, ई-रक्षक, ई-समंस, ई-वारंट एवं ई-विवेचना जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। बैठक के अंत में एसपी ने सभी अधिकारियों को अपराध नियंत्रण, जनविश्वास बढ़ाने और आमजन को गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बाढ़ प्रभावित गांवों और संवेदनशील नदी-नालों को चिन्हित करें : गौरव

वर्षा पूर्व आपदा प्रबंधन तैयारियों की कलेक्टर ने की व्यापक समीक्षा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता एवं एसपी सियाज केएम के उपस्थिति में आपदा प्रबंधन कार्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को पूर्व तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एसपी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को अपने-अपने उपखंड अंतर्गत बाढ़ प्रभावित गांवों और संवेदनशील नदी-नालों को चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि नदी-नालों के बहाव क्षेत्र में यदि कोई अतिक्रमण है, तो सर्वे कर उसे तत्काल मुक्त कराया जाए। इसके साथ ही बाढ़ आपदा प्रबंधन के तहत बनाए जाने वाले रेस्क्यू कैंपों का स्थल पहले से तय कर वहां शेल्टर, भोजन, शुद्ध पेयजल और शौचालय की सभी मूलभूत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बाणसागर डैम एवं सोन नदी में जल स्तर बढ़ने से प्रभावित होने वाले संभावित गांवों का भी निरंतर भौतिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीएमएचओ को निर्देशित किया कि वे सभी आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करें, विशेषकर सर्पदंश से बचाव की दवाओं का स्टॉक पहले से ही जिला एवं ब्लॉक स्तर पर प्रबंधित रहे।कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि वे ट्यूबवेल व अन्य पेयजल स्रोतों में ब्लीचिंग पाउडर व दवाओं का नियमित छिड़काव कराएं, ताकि वर्षाकाल में किसी भी प्रकार की संक्रामक बीमारी पैर न पसार सके। अतिवृष्टि के दौरान बुनियादी व्यवस्थाएं ठप न हों, इसके लिए विद्युत विभाग को दिशा-निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ के समय भी बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। इसके लिए कलेक्ट्रेट या विभाग स्तर पर एक कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए, जो चौबीसों घंटे क्रियाशील होगा और वहां प्राप्त होने वाली जन-शिकायतों का समय सीमा में त्वरित निराकरण किया जाएगा। आपदा से निपटने की आवश्यक तैयारियों के तहत कलेक्टर ने होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीम को अपने अधीनस्थ अमले का परीक्षण करने तथा रेस्क्यू के दौरान उपयोग में आने वाले उपकरणों जैसे रबर बोट, मोटर, सेफ्टी टॉर्च, डीप डाइविंग सेट आदि की प्री-टेस्टिंग करने के निर्देश दिए।

खेलों से मिलता है अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता : सियाज

समर कैंप में खिलाड़ियों से बीच पहुंचे एसपी, बच्चों का बढ़ाया उत्साह

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बैढ़न में आयोजित समर कैंप के दौरान एसपी सियाज केएम खिलाड़ियों के बीच पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल एवं खो-खो सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण ले रहे बालक-बालिका खिलाड़ियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण गतिविधियों का अवलोकन करते हुए खिलाड़ियों से उनके अभ्यास, खेलों के प्रति रुचि, अनुशासन, लक्ष्य और भविष्य की योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खेल केवल शरीर को मजबूत नहीं बनाते, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, टीम भावना और निरंतर प्रयास करने की सीख देते हैं। खेल मैदान में सीखी गई मेहनत और अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। वहीं संवाद के दौरान एसपी सियाज केएम ने बच्चों से सहज भाव से पूछा कि आप में से कौन-कौन बाइक चला लेता है।

इस पर कुछ कम उम्र के बच्चों द्वारा हाथ उठाए जाने पर उन्होंने बच्चों को अत्यंत सरल और समझाइश भरे अंदाज में बताया कि कम उम्र में और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के कोई भी वाहन चलाना गलत, असुरक्षित और कानून के विरुद्ध है। उन्होंने बच्चों को स्पष्ट रूप से समझाया कि जब तक वैध ड्राइविंग लाइसेंस न बने, तब तक किसी भी प्रकार का वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

परिवार के लोगों को हेलमेट पहनने के लिए करें प्रेरित

पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के माध्यम से परिवारों तक एक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाते हुए कहा कि जब भी माता-पिता या परिवार के सदस्य बाइक से घर से बाहर निकलें, तो बच्चे उन्हें प्रेमपूर्वक हेलमेट पहनने के लिए अवश्य कहें। उन्होंने कहा कि बच्चों की छोटी सी समझाइश कई बार परिवार की बड़ी सुरक्षा बन जाती है। हेलमेट केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे जरूरी साधन है। वहीं उन्होंने खिलाड़ियों को नशे और गलत आदतों से दूर रहने, मोबाइल एवं सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, नियमित अभ्यास करने और शिक्षा के साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जो बच्चे आज मैदान में अनुशासन के साथ मेहनत कर रहे हैं, वे आने वाले समय में अपने परिवार, जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं।

ट्रॉमा सेंटर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। रेडक्रॉस ब्लड सेंटर एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में आज 4 जून को जिला चिकित्सालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना तथा आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। आयोजित शिविर में स्वैच्छिक रक्तदाताओं द्वारा उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई, रक्तदान शिविर के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं चिकित्सकों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है तथा इससे अनेक जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय सह ट्रॉमा सेंटर की ओर से सिविल सर्जन डॉ. कल्पना रवि, डॉ. राजेश बैस, डॉ. प्रत्यूष झा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से चेयरमैन एसडी सिंह, सचिव डॉ. ओपी राय एवं रेडक्रॉस ब्लड सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. आरडी द्विवेदी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान किया तथा कहा कि रक्तदान के माध्यम से अनेक मरीजों को नया जीवन प्रदान किया जा सकता है। शिविर के सफल आयोजन में रेडक्रॉस ब्लड सेंटर एवं जिला चिकित्सालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

घरेलू गैस सिलेंडरों का होटलों में धड़ल्ले से इस्तेमाल

- खाद्य निरीक्षक होटलों की जांच में नहीं लेते दिलचस्पी
- देवसर हादसे के बाद खाद्य विभाग की जांच व्यवस्था पर उठे गंभीर प्रश्न

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। एक ओर जहां आम नागरिक घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं, वहीं क्षेत्र के कुछ होटलों और भोजनालयों में कॉमर्शियल सिलेंडरों की जगह घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के इस्तेमाल की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। इससे सुरक्षा और नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस मुद्दे ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया जब आज देवसर में गुरुवार को एक दुकान में गैस सिलेंडर फटने की घटना सामने आई। घटना में आधा दर्जन से अधिक दुकानें आग की चपेट में आ गईं और भारी नुकसान होने की सूचना है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि संबंधित

प्रतिष्ठान में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था, वहीं कई घरेलू सिलेंडर मौके से पाए भी गए। हालांकि, दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र के कई होटल और भोजनालय लागत बचाने के लिए घरेलू सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं, जबकि नियमों के अनुसार व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कॉमर्शियल सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। लोगों का कहना है कि इस तरह की अनियमितताओं पर नियमित जांच और कार्रवाई की आवश्यकता है। वहीं सूत्रों की माने तो खाद्य निरीक्षक का होटलों से मासिक नजराना फिक्स है जो साहब तक समय-समय पर पहुंच जाया करता है । नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र के सभी होटल, ढाबों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि गैस सिलेंडरों का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार हो रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मानसून से पहले कोयला खदानों और उद्योगों को कलेक्टर का सख्त चेतावनी

ऐश डाइक, ओवर बर्डन डम्प और जल निकासी तंत्र का तत्काल करें निरीक्षण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। आगामी मानसून में भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव बैनल ने जिले की सभी कोयला खदानों, ताप विद्युत गृहों, ऐश डाइक संचालकों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत कड़े प्रतिबंधात्मक निर्देश जारी किए हैं।

विगत वर्षों में वर्षा ऋतु के दौरान राखए स्लरी, मिट्टी और खदान जल के रिसाव व ओवरफ्लो से ग्रामीण बस्तियों, कृषि भूमि और जनजीवन को हुई भारी क्षति को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है। जिला आपदा प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक के बाद जन-सुरक्षा, जन-स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आदेश के तहत सभी औद्योगिक इकाइयों को अपने ऐश डाइक, ओवरबर्डन डम्प और जल निकासी तंत्र का तुरंत निरीक्षण कर उनकी मजबूती सुनिश्चित करनी होगी। समस्त गारलैंड ड्रेन और नालों की सफाई कर निर्बाध जल निकासी की व्यवस्था करने तथा आबादी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए प्रोटेक्टिव बंड्स बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कंपनियों को चौबीसों घंटे (24×7) सक्रिय रहने वाली आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम गठित करनी होगी और पर्याप्त मात्रा में जेसीबी, पोकलेन, पम्प व रेत की बोरियाँ जैसे संसाधन तैयार रखने होंगे। इस आदेश के तहत की गई कार्यवाही की विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट सभी संस्थानों को 07 दिनों के भीतर जिला दण्डाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी।

आदेश का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

जिला मजिस्ट्रेट ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने, लापरवाही बरतने या भ्रामक रिपोर्ट देने पर संबंधित कंपनी प्रबंधन, परियोजना प्रमुख और खदान प्रबंधक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023, पर्यावरण अधिनियम 1986 और प्रदूषण निवारण अधिनियमों के तहत कड़ी दाण्डिक व वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा किसी भी दुर्घटना से होने वाले नुकसान, राहत कार्य और पर्यावरण बहाली का पूरा खर्च संबंधित परियोजना से ही वसूला जाएगा तथा अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय होगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा मांग पत्र

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ रीवा संभाग के जिला सिंगरौली इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से मांगपत्र सौंपकर अपनी विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण की मांग की है।

संघ का कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं पिछले कई दशकों से महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा जनगणना, मतदाता पुनरीक्षण, लाड़ली बहना योजना, स्वास्थ्य सर्वेक्षण, ग्रामसभा और अन्य शासकीय कार्यों में भी उनका सहयोग लिया जाता है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि सीमित मानदेय में कार्य करने के बावजूद उन पर लगातार अतिरिक्त जिम्मेदारियां डाली जाती हैं, जिससे आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़ता है। मांगपत्र में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को नियमित कर्मचारी का दर्जा देने, न्यूनतम पांच हजार रुपये मासिक पेंशन लागू करने, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने तथा सहायिकाओं और कार्यकर्ताओं के मानदेय में अंतर कम करने की मांग की गई है।

इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति, कार्य के दौरान मृत्यु पर पांच लाख रुपये की सहायता राशि, समय पर सामग्री आपूर्ति, पदोन्नति में आयु सीमा समाप्त करने तथा विभागीय कार्यों के अलावा अन्य जिम्मेदारियों से मुक्त रखने की मांग भी उठाई गई। संघ ने शासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई है।

सुरक्षा जागरूकता एवं स्वच्छता संदेश से प्रेरित हुईं जेम की बालिकाएं

एनटीपीसी विंध्याचल में बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत संवाद सत्र आयोजित

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 4 जून। एनटीपीसी विंध्याचल की बालिका सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत बालिकाओं के लिए एक विशेष संवाद सत्र का आयोजन किया गया.

जिसमें महिला एवं बाल संरक्षण विभाग के चाइल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर नीरज शर्मा ने व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मविश्वास, अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा किसी भी समस्या के विरुद्ध निर्भीक होकर अपनी बात रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। संवादात्मक शैली में आयोजित इस सत्र ने बालिकाओं को खुलकर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया तथा उन्हें अधिक जागरूक, आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।साथ ही इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने वाली जेम की 63 बालिकाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्वच्छता एवं स्वच्छ पर्यावरण के संदेश को बढ़ावा देने वाली इस पहल ने बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर प्रणव वर्मा अपर महाप्रबंधक तथा डेविड देशमुख, कार्यपालक भी उपस्थित रहे।

समदा में अवैध 23 पेटी स्कॉर्पियों वाहन से देशी शराब जब्त

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ जियावन पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। समदा 2 स्थित शराब दुकान से पैकारी के लिए ले जाई जा रही अवैध शराब की खेप स्कॉर्पियों वाहन को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया।

जानकारी के अनुसार जियावन-ढोंगा महान पुलिया के पास पुलिस ने संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक एमपी 17 सीए 4606 को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान वाहन से कुल 23 पेटी देशी और विदेशी शराब बरामद की गई। इस कार्रवाई में वाहन चालक सुनील नामदेव को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि शराब सप्लाई से जुड़े दो कथित आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। उनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। यह कार्रवाई पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी देवसर की निगरानी शामिल रही। वहीं, जियावन पुलिस और कुंदवार चौकी की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह शराब अवैध रूप से पैकारी नेटवर्क के जरिए सप्लाई की जा रही थी, जिसे समय रहते रोक लिया गया। जप्त वाहन और शराब को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी सहित पूरी टीम की इस सफल कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है। पुलिस ने साफ किया है कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जगह-जगह खुले हैं अहाते एवं हो रही पैकारी

यहां बताते चले कि देवसर समेत पूरे जिले में शराब का अवैध कारोबार जोर पकड़ा हुआ है। जगह-जगह अहाते खुले हैं और पैकारी हो रही है। आबकारी अमला कार्रवाई के नाम पर महज खानापूर्ति कर अपनी स्वयं की पीठ थपथपा रहा है। आरोप है कि आबकारी अधिकारी एवं निरीक्षकों के संरक्षण में अहाते एवं पैकारी चल रही है। हालांकि पुलिस लगातार अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई भी कर रही है। परंतु अवैध भारी भरकम शराब के जखीरा पर आबकारी अमले की नजरें ओझल हो जाती हैं।

ट्रांसफॉर्मर में लगी भीषण आग, धमाकों से दहशत में आए ग्रामीण

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। चितरंगी तहसील की ग्राम पंचायत बरहट के लालीमाटी क्षेत्र में आज गुरुवार की शाम करीब पांच बजे एक विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।

मुकेश सिंह के घर के समीप स्थापित ट्रांसफार्मर से पहले धुआं निकलना शुरू हुआ और कुछ ही देर में उसमें भीषण आग भड़क उठी। आग के साथ तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने लगीं, जिससे आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रांसफार्मर में आग लगने के बाद लगातार ब्लास्ट जैसी आवाजें आ रही थीं। स्थिति को देखते हुए ग्रामीण सुरक्षित दूरी पर हट गए। लोगों का कहना है कि ट्रांसफार्मर पर अत्यधिक लोड होने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि विद्युत विभाग की ओर से नहीं की गई है।

नशाखोरी, गो-तस्करी, अवैध देह व्यापार और लव जिहाद पर सख्त कार्रवाई की मांग, जमकर हुई नारेबाजी

- बजरंग दल का प्रदर्शन, एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 4 जून। जिले में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को लेकर बुधवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुलिस प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया।

संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर जिले में फैल रही नशाखोरी, गो-तस्करी, अवैध देह व्यापार तथा कथित लव जिहाद जैसी गतिविधियों पर तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक उमेश प्रजापति एवं थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह परिहार मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में बजरंग दल कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि अवैध गतिविधियों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो संगठन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा। वहीं बजरंग दल पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि जिले के कई क्षेत्रों में खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बादी की ओर बढ़ रही है। संगठन ने कहा कि स्कूल-कॉलेजों के आसपास भी नशे का कारोबार फैल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा लगातार अभियान चलाकर अवैध कारोबार पर रोक लगाई जाए।

गौ-तस्करी और अवैध गतिविधियों पर जताई

ज्ञापन में जिले में लगातार बढ़ रही गो-तस्करी की घटनाओं का भी मुद्दा उठाया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि रात के समय पशुओं की अवैध ढुलाई की जा रही है, लेकिन पुलिस की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही। इसके अलावा शहर और आसपास के क्षेत्रों में कथित अवैध देह व्यापार संचालित होने का आरोप लगाते हुए बजरंग दल ने पुलिस प्रशासन से विशेष अभियान चलाने की मांग की। साथ ही संगठन ने ज्ञापन में लव जिहाद जैसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की भी मांग की। पदाधिकारियों का कहना था कि समाज में धार्मिक एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली गतिविधियों पर प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। वहीं प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। हालांकि पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थिति नियंत्रण में रही। सीएसपी ने ज्ञापन प्राप्त कर संगठन की मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।